उषा वचन

एक ही आकाश में चाँद, सूरज और तारे,
जगमगाते और छिपते।
किंतु जलता दीप एक सूने कक्ष में,
रोते कलपते अँधेरे को छिपा लेता गोद में,
और कहता है धरा से, ''मैं तुम्हें दूँगा उजाला।
जानता हूँ, दे न पाऊँगा तुम्हें आकाश सारा।
पूछो न मुझसे कौन हूँ मैं।
चिर प्रतीक्षा में विकल, हो सकेगा जिस तरह,
दूर कर दुख तुम्हारे, प्यार के आवर्त में।
मुस्कराहट की किरण, तुम्हारी जिन्दगी को घेर लेगी।
प्रतीक्षा है तुम्हें भी तो किसी की।''

उषा वर्मा

The promise of dawn

Sun, moon and stars
all sparkle and hide in one sky ;
but the lamp, burning in a lonely room,
covers the weeping wailing darkness in her lap,
and tells the earth : “I will give you light.
I know I cannot offer you the entire sky.
Don’t ask me who I am. You will grow restless
In an eternity of waiting, as sorrow is distanced
When encircled by your love.
Rays of laughter will surround your life.
You too are waiting for someone.”

Usha Verma

translated from the Hindi by Debjani Chatterjee

Poems for… is a Hyphen project. “Hyphen-21” is a company registered